

असाधारणा EXTRAORDINARY

भाग II—एण्ड 3—उप-एण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राथिकार से प्रकारित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 353]

नई दिल्ली, मंगलवार, नजन्दर 3, 1987/कार्तिक 12, 1909

No. 553]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 3, 1937/KARTIKA 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-मृतल परिवहन मंत्रालय (नौबहन पक्ष)

मर्द दिल्ली, 3 नथम्बर, 1987

समिमूचना

का.आ. 970(आ):--केन्द्र सरकार, वाजिन्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 150 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शाक्तियों का प्रयाग कर हे हुए, यह सम्मति रखते हुए, कि भारतीय फोरवर्ड नाविक संघ, कलकत्ता नाम से अभिहित नाविकों और भारतीय राष्ट्रीय जहाज-मासिक संघ बंबई नाम से अभिहित नाविक कार्यरत हैं) के बीच एक विवाद बना हुआ है और यह विवाद उन नाविकों के रोजगार को आकार्यनकता से जुड़े मामजों से संबधित है, उक्त विवाद के निपटारे के लिये एक ट्रिकुनल का गठन करतो है, जिसका मुख्यालय बंबई में होगा और श्री एस.

के. राय, भूतपूर्व संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार, भारत सरकार को इस अधिसूचना के जारी होने की धारीख से एक वर्ष के लिये उकत ट्रियुनन हेन्न निस्कत करता है।

> [सं.सी.-18018/3/87-एम.टी.] योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 3rd November, 1987

NOTIFICATION

S.O. 970(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 150 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 or 1958), the Central Government, being of the opinion that a dispute between the union of seamen known as the Forward Seamen's Union of India, Calcutta and the union of owners of ships (being ships in which such seamen are employed) known as Indian National Shipowners Association, Bombay exists and such dispute relates to a matter connected with and incidental to the employment of those seamen, hereby constitutes a tribunal, with headquarters at hombay, for adjudication of the said dispute and appoints Shri S. K. Rai, formerly Joint Secretary and Legal Adviser to the Government of India, to that tribunal for one year with effect from the date of issue of this notification.

[No. C-18018|3|87-MT] YOGENDRA NARAIN, Jt. Sccy.